समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

'मेड इन इंडिया' की धमक! स्मार्टफोन बना भारत का सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद, पेट्रोलियम और हीरा रह गए पीछे।

Publisher

Published on 19 May 2025

भारत बना स्मार्टफोन एक्सपोर्ट का ग्लोबल हब.

भारत ने वैश्विक बाजार में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए **स्मार्टफोन** को अपना **सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद** बना लिया है। **वित्त वर्ष 2024-25** में भारत से **24.14 बिलियन डॉलर** के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट हुए, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 55% की वृद्धि है।

अमेरिका बना सबसे बड़ा खरीदार

१. अकेले अमेरिका को भारत ने **10.6 बिलियन डॉलर** के स्मार्टफोन एक्सपोर्ट किए।
२. एक साल पहले यही आंकड़ा **5.57 बिलियन डॉलर** था, यानी 100% की वृद्धि।
३. यह साबित करता है कि अमेरिका जैसे विकसित देश भी अब भारत के **मैन्युफैक्चरिंग क्वालिटी** पर भरोसा करने लगे हैं।

अन्य प्रमुख निर्यात गंतव्य

१. देश स्मार्टफोन एक्सपोर्ट **(FY 2024-25)**
२. अमेरिका **$10.6 बिलियन**
३. नीदरलैंड **$2.2 बिलियन**
४. इटली **$1.26 बिलियन**
५. चेक गणराज्य **$1.17 बिलियन**
६. जापान (टोक्यो) **$520 मिलियन**

FY 2022-23 में टोकियो को केवल **$120 मिलियन** का निर्यात हुआ था, जो अब 4 गुना बढ़ चुका है।

सरकार की रणनीति और PLI योजना का असर

१. इस उछाल के पीछे भारत सरकार की **उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना (PLI Scheme)** और **मैन्युफैक्चरिंग-फ्रेंडली पॉलिसी** है। पिछले दो वर्षों में भारत में **iPhone निर्माण यूनिट्स** सहित कई इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन केंद्र खुले हैं।
२. **Apple, Samsung** और अन्य कंपनियाँ चीन से अपना बेस भारत में शिफ्ट कर रही हैं।
३. **मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट** थोड़ी बढ़ी है, लेकिन **राजनीतिक स्थिरता** और **सप्लाई चेन** की मजबूती के कारण भारत पर भरोसा बढ़ा है।

अब भारत किसे पछाड़ चुका है ?
स्मार्टफोन एक्सपोर्ट अब भारत से होने वाले पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे के निर्यात से भी आगे निकल चुका है, जो अब तक शीर्ष पर रहे थे।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.